

प्रेषक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,  
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
देहरादून।

न्याय विभाग :

देहरादून, दिनांक 04 अगस्त, 2008

विषय :

श्री गुरु प्रसाद रतूड़ी, अधिवक्ता को आपराधिक मामलों के संचालन हेतु नामिका वकील के रूप में आवद्ध किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-254/XXIX-5 (2005-06) दिनांक 13.02.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला देहरादून में मजिस्ट्रेट न्यायालयों के समस्त फौजदारी बादों के संचालन हेतु शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त श्री गुरु प्रसाद रतूड़ी, अधिवक्ता को शासनादेश संख्या-43-एक(1)/न्याय अनुभाग/2003, दिनांक 26-2-2003 द्वारा नामिका वकील हेतु निर्धारित फीस की दरों पर नामिका वकील के रूप में आवद्धन-पत्र में उल्लिखित शर्तों के अधीन दिनांक 8-8-2003 से एक वर्ष की अवधि के लिए आवद्ध किया जाता है। उनका आवद्धन पत्र एतद् संलग्न है।

2- अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया सम्बन्धित अधिवक्ता का आवद्धन-पत्र उन्हें तुरन्त उपलब्ध कराते हुए उनसे लिखित सहमति, आयु का प्रमाण पत्र, अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि तथा उनके आवास का विवरण प्राप्त कर शासन को यथाशीघ्र भेजने का कष्ट करें।

3- श्री गुरु प्रसाद रतूड़ी यदि इस समय शपथ-आयुक्त, नोटरी या इस प्रकार के अन्य किसी शासकीय पद अथवा समकक्ष पद पर कार्यरत हों, तो उनसे उक्त पद से त्याग पत्र प्राप्त कर लिया जाय तथा इसकी सूचना शासन को भी दी जाय।

4- मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आवद्ध अधिवक्ता लिखित सहमति तथा अपेक्षित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दें तो आप मजिस्ट्रेट न्यायालय में फौजदारी बादों का संचालन नामिका वकील के रूप में उक्त अधिवक्ता से प्रारम्भ करा दें।

संलग्नक : यथोपरि

भवदीया,

(श्रीमती इन्दिरा आशीष)  
सचिव

संख्या : यू0ओ0 712 /XXXVI(1)/06, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 2- जिला न्यायाधीश, देहरादून।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- सम्बन्धित अधिवक्ता।
- 5- एन.आई.सी./गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)  
अपर सचिव